वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 243 मंगलवार 20 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से हो रहा आर्थिक सशक्तीकरण

समाज के वंचित तबके को रियायती ऋण देकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही राज्य सरकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वंचित वर्गों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन वर्गों के लिए स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन सके। अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर राज्य सरकार नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है, ताकि विकसित, समावेशी एवं सशक्त राजस्थान बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा जा सके। इसी दिशा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड ने उल्लेखनीय पहल की है। निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी एवं दिव्यांगजनों के 1 हजार 381 लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये के रियायती ब्याज पर ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इससे इन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और इस योजना का उद्देश्य लाभार्थियों को स्वरोजगार, व्यवसाय विस्तार और शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करना है, जिससे वे रोजगार प्रदाता बन सके। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन एवं सफाई कर्मियों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

विभिन्न वर्गों को मिला ऋण का लाभ

राज्य सरकार द्वारा जनहित से जुड़ी सभी योजनाओं का क्रियान्वयन लाभार्थियों तक किया जा रहा है। इसी के तहत निगम द्वारा गत वर्ष अनुसूचित जाति के 671 लाभार्थियों को लगभग 7.52 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के 325 लाभार्थियों को लगभग 3.25 करोड़ रुपये, सफाई कर्मियों के 106 लाभार्थियों को लगभग 3.81 करोड़ रुपये तथा 51 दिव्यांगजनों को 58.08 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। विभिन्न वर्गों के पात्र लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। मुख्यमंत्री के संवेदनशील नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भी ऑनलाइन ऋण आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निर्धारित लक्ष्य 3 हजार 470 के मुकाबले 15 हजार 635 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, जो योजना के प्रति आमजन के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

1008 श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर एसएफएस जैन मंदिर में निर्वाण महोत्सव धूमधाम से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। 1008 श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस में 'वृहद शांतिधारा' के पश्चात निर्वाण महोत्सव का लड्डू धूमधाम से चढ़ाया गया। महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में पूर्व संध्या पर युवा मंडल द्वारा 'महा आरती' का आयोजन किया गया। आज प्रातः 6:30 बजे वृहद शांतिधारा का आयोजन हुआ, जिसका पुण्य लाभ समाज श्रेष्ठी श्रीमती पुष्पा - श्री अशोक, श्रीमती एकता - सी.ए. रोहित एवं श्रीमती मासूमा समस्त कासलीवाल (माधव राजपुरा वाले, सुमेर नगर निवासी) परिवार ने प्राप्त किया। इस दौरान परिवार द्वारा श्रीजी की वेदी पर सामूहिक रूप से निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। धार्मिक क्रियाओं की व्यवस्था स्वाध्याय मंडल के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन एवं कमल चंद टोंगया के निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुई। अष्ट द्रव्यों से भक्ति भाव के साथ पूजन करते हुए 'निर्वाण कांड' पाठ के साथ भगवान आदिनाथ की मूल वेदी पर लड्डू अर्पित किया गया। मंदिर के अध्यक्ष कमलेश चंद जैन ने बताया कि कार्यकारिणी के अधिकांश सदस्यों ने अभिषेक एवं शांतिधारा में सम्मिलित होकर व्यवस्थाओं में अपना पूर्ण सहयोग दिया। मंदिर जी में सभी श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध लड्डू की व्यवस्था भी की गई थी। सायंकाल 7:30 बजे महिला मंडल द्वारा 48 दीपकों के साथ 'भक्तामर अनुष्ठान' का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अनुष्ठान में सभी महिलाओं ने लाल रंग की साड़ी पहनकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और भक्तिमय वातावरण निर्मित किया।

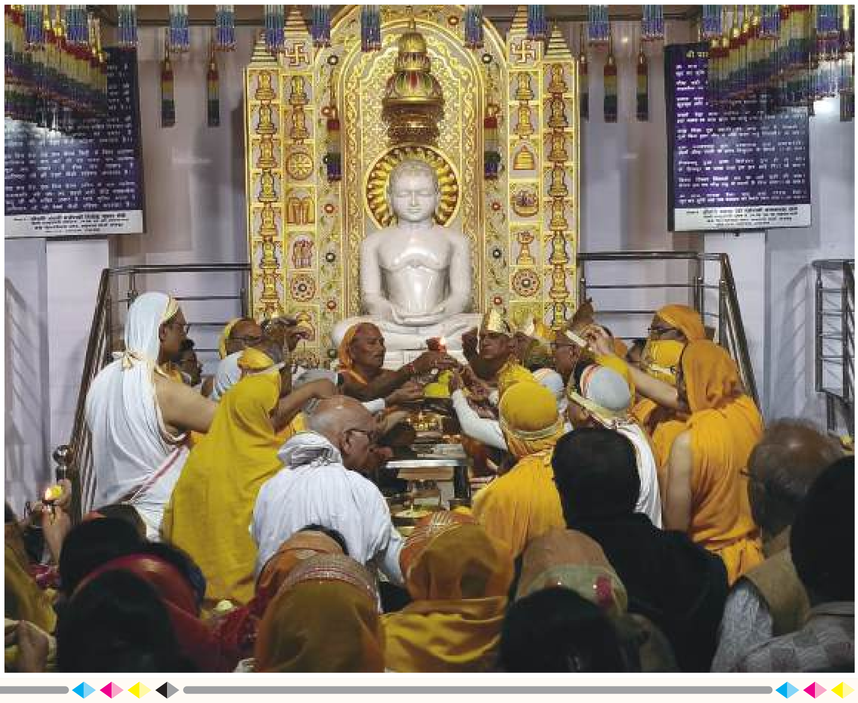

दिगंबर जैन महासमिति (राजस्थान अंचल) द्वारा चिकित्सा परिचर्चा एवं बैठक का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल द्वारा शिप्रा पथ, मानसरोवर स्थित मंगलम मेडिसिटी प्लस हॉस्पिटल में दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक अंचल की बैठक एवं महत्वपूर्ण चिकित्सा परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक के मंगलाचरण एवं वाचन के साथ हुआ। बैठक में महासमिति के महामंत्री महावीर बाकलीवाल ने पूर्व बैठक की कार्यवाही का वाचन किया और सभी सदस्यों के समक्ष वित्तीय विवरण (बैलेंस शीट) प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अंचल अध्यक्ष अनिल जैन (IPS) ने आगामी वर्ष में संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श: तत्पश्चात आयोजित चिकित्सा परिचर्चा में मंगलम हॉस्पिटल के डॉ. आशीष एरेन ने पैरों में दर्द, सूजन, न भरने वाले घाव, पैरों की त्वचा का नीला या काला पड़ना तथा उभरी हुई नसों (Varicose Veins) जैसी समस्याओं के लक्षण और उपचार पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं डॉ. अभिषेक प्रकाश ने डायबिटीज से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों और बचाव के तरीकों से अवगत कराया।

सम्मान समारोह एवं उपस्थिति: कार्यक्रम संयोजक निर्मल कुमार संघी ने बताया कि डॉ. दामिनी सिंह एवं मैनेजर दिलावर सिंह के सहयोग से आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित रहा। इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विनोद शाह, कार्याध्यक्ष राजेंद्र शाह, डॉ. णमोकार जैन, महिला अंचल अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला जैन, मंत्री महावीर चंदवाड़, एवं 'शाबास इंडिया' के प्रधान संपादक राकेश गोदिका सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे। महासमिति द्वारा चिकित्सकों एवं हॉस्पिटल प्रबंधन को माला, दुपट्टा और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रत्युत्तर में हॉस्पिटल प्रबंधन ने भी महासमिति के पदाधिकारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम के समापन पर जैन भोजन की व्यवस्था की गई। साथ ही, कई सदस्यों ने चिकित्सकों के चैंबर में जाकर व्यक्तिगत परामर्श भी प्राप्त किया।

जैन सोशल ग्रुप 'महानगर' का भव्य पतंगोत्सव संपन्न

135 सदस्यों ने नवीनीकरण के लिए सहमति प्रदान कर संगठन को किया सशक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप 'महानगर' द्वारा आयोजित 'पतंगोत्सव 2026' रविवार, 11 जनवरी 2026 को पार्श्वनाथ भवन, चौड़ा रास्ता में अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस उत्सव में ग्रुप के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। महानगर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जैन, श्री दीपेश छाबड़ा एवं श्री संजय छाबड़ा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

मनोरंजक गतिविधियों का रहा संगम: आयोजन के दौरान संयोजकों द्वारा कपल गेम्स, बच्चों के लिए मनोरंजक खेल, हाउजी, लोहड़ी उत्सव एवं डीजे डांस का सफल आयोजन किया गया, जिसका उपस्थित सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम में आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता एवं पारिवारिक वातावरण की झलक देखने को मिली।

135 दंपतियों ने कराया नवीनीकरण: कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि 135 दंपत्ति सदस्यों ने आगामी वर्ष 2026-27 (अप्रैल 26 से मार्च 27) के लिए अपनी सदस्यता जारी रखने हेतु सहमति प्रदान की। इससे जैन सोशल ग्रुप महानगर को नई मजबूती प्राप्त हुई है। नवीनीकरण कराने वाले सभी सदस्यों को ग्रुप की ओर से आकर्षक उपहार भी भेंट किए गए।

पदाधिकारियों का संबोधन: ग्रुप अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल एवं सचिव श्री विनीत पापड़ीवाल ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों का विश्वास और सक्रिय सहभागिता ही संगठन की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगामी सत्र में ग्रुप द्वारा और भी नए सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सफल आयोजन की टीम: कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक श्री पंकज-विनीता, श्री पवन-मनीषा, श्री संजय-साधना काला एवं श्री प्रशांत-रीना पांड्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी मेहनत से यह आयोजन यादगार बना।

पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला एवं आचार्य कुन्दकुन्द देव पुरस्कार समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र, सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मदनमोहन झा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश भाषाओं में प्रस्तुत किए गए मंगलाचरण से हुआ। जैन पांडुलिपियों का ऐतिहासिक महत्वः मुख्य वक्ता प्रो. अनुपम जैन (इंदौर) ने 'भारतीय ज्ञान परंपरा में जैन पांडुलिपियों का महत्व' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने पांडुलिपियों की परिभाषा स्पष्ट करते हुए बताया कि हाथ से लिखित 75 वर्ष से पुरानी सामग्री (छाल, धातु, ताड़पत्र, कागज आदि), जिसका साहित्यिक, ऐतिहासिक या सौंदर्यपरक महत्व हो, पांडुलिपि की श्रेणी में आती है। उन्होंने आंकड़ों के साथ जानकारी दी कि विश्व की अनुमानित 2 करोड़ पांडुलिपियों में से लगभग 1 करोड़ भारत में हैं, जिनमें से 30 लाख पांडुलिपियाँ अकेले जैन समुदाय के पास सुरक्षित हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि ये पांडुलिपियाँ केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक हैं। उन्होंने पारंपरिक कृषि, बीज, आयुर्वेद और भवन निर्माण तकनीक के संरक्षण पर भी बल दिया।

पुस्तक विमोचन एवं अध्यक्षीय उद्बोधनः समारोह के दौरान न्याय दीपिका के संदर्भ में महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'प्रमाण मीमांसा' का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. मदनमोहन झा ने प्राचीन संस्कृति को आधुनिक पाठ्यक्रम से जोड़ने की आवश्यकता बताई। उन्होंने पांडुलिपि संरक्षण में जैन समाज के योगदान की सराहना की और शोध कार्यों हेतु विश्वविद्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

पुरस्कार एवं सम्मानः संस्था के अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी (रिटायर्ड IAS) ने व्याख्यानमाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, वहीं मंत्री महेश चंद्र जैन चांदवाड़ ने संस्था की गौरवपूर्ण विकास यात्रा से परिचय कराया। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. शीतल चंद जैन ने 'आचार्य कुन्दकुन्द देव पुरस्कार' की जानकारी दी। इस वर्ष का प्रतिष्ठित आचार्य कुन्दकुन्द देव पुरस्कार (सुधांशु कासलीवाल एवं ऋतु कासलीवाल फंड द्वारा प्रदत्त) अपभ्रंश साहित्य अकादमी की निदेशक श्रीमती शकुंतला जैन को प्रदान किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप 1 लाख रुपए की राशि, शाल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। मंच पर पूर्व न्यायाधीश नगेन्द्र कुमार जैन, अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, ऋतु कासलीवाल एवं डॉ. पवना शर्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बंडा में जिला स्तरीय वैश्य महासम्मेलन संपन्न, वैश्य प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

बंडा. शाबाश इंडिया

वैश्य महासम्मेलन, जिला सागर के तत्वावधान में जमुनिया स्थित विद्यासागर पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित युवा और महिला इकाई के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अतिथियों की गरिमामयी उपस्थितिः कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री निकेश गुप्ता, संभागीय अध्यक्ष गिरजेश सोनी, युवा इकाई के प्रदेश महामंत्री सचिन जैन, महिला इकाई की संभागीय अध्यक्ष विनीता केसरवानी एवं युवा संभागीय अध्यक्ष डॉ. नितिन जैन उपस्थित रहे। साथ ही जिला प्रभारी कमल डेवडिया, जिला अध्यक्ष निक्की वृजपुरिया, महिला जिला अध्यक्ष प्रीति पटवारी, अशोक जैन ठेकेदार, वरुण सोनी और महेंद्र जैन भूसा मंचासीन रहे।

प्रतिभाओं का सम्मान एवं कैलेंडर विमोचनः महासम्मेलन में वैश्य समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने PSC और MBBS में चयन होकर समाज का नाम रोशन किया है। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन द्वारा प्रकाशित कैलेंडर 2026 का विमोचन भी किया गया।

संबोधन और संगठन की मजबूतीः प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'हमें सक्रिय राजनीति तो नहीं करनी, किंतु अपनी एकजुटता को इतना मजबूत बनाना है कि समाज की शक्ति का लोहा पूरी दुनिया माने।' उन्होंने संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। स्कूल की संचालिका नेहा निलेश जैन ने उपस्थित नारी शक्ति का सम्मान किया।

व्यवस्था एवं आभारः कार्यक्रम का सफल संचालन उमेष जैन पटारी ने किया। स्वागत भाषण जिला उपाध्यक्ष संतोष सराफ ने दिया और आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री मनीष शास्त्री विद्यार्थी ने किया। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था नीरज जैन एवं निलेश जैन द्वारा संभाली गई। इस अवसर पर बंडा इकाई अध्यक्ष विनीत जैन, युवा अध्यक्ष अमर गुप्ता सहित अशोक पापेट, मुन्नालाल जैन खटौरा, प्रेमचंद बरेठी, दिनेश सोनी एवं सुशील जैन उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

मनुष्य का धर्म मनुष्यता के पर्याय श्रेष्ठ गुणों को धारण करना है

संसार में अनेक प्राणी योनियां हैं जिनमें एक मनुष्य है। मनुष्य योनि को सबसे श्रेष्ठ योनि कहा जाता है। इसका कारण है कि इसके पास विचार करने के लिए बुद्धि और बोलने के लिए वाणी हैं। इतना ही नहीं, यह सीधा सिर उठाकर अपने दो पैरों के बल पर चल सकता है और अपने दो हाथों से प्रायः सभी प्रकार के काम कर सकता है जिसे अन्य प्राणी नहीं कर सकते। चार वेदों में 10 हजार 500 से कुछ अधिक मन्त्र हैं। इनमें से एक मन्त्र गायत्री मन्त्र और गुरु मन्त्र के नाम से प्रसिद्ध है। इस गायत्री मन्त्र में ईश्वर से हमें श्रेष्ठ बुद्धि देने की प्रार्थना की गई है। इस प्रार्थना के कारण ही यह मन्त्र एक श्रेष्ठ मन्त्र कहलाता है। इसका जप करने का भी विधान है। इसके जप करने से मन्द बुद्धि बच्चे व युवा भी विद्वान बन जाते हैं। इस उपलब्धि को प्राप्त हुए अनेक उदाहरण हैं। आर्य समाज के विख्यात विद्वान महात्मा आनन्द स्वामी जी के बारे में कथा है कि वह बचपन में मन्द बुद्धि के बालक थे। उन्हें एक महात्मा से गायत्री मन्त्र की शिक्षा मिली जिससे वह बुद्धिमान बन गये और आज देश सहित विश्व में भी उनका यश व्याप्त है। महात्मा जी की एक दर्जन से अधिक पुस्तकें आज भी लोग बहुत रूचि व उत्साह से पढ़ते हैं और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं। स्वामी विरजानन्द जी का नाम भी जगत विख्यात है। वह वैदिक आर्ष व्याकरण के पुरोधा और भारत भाग्य विधाता महर्षि दयानन्द के विद्यागुरु थे। वह अपने जन्म स्थान करतारपुर, पंजाब से आत्मिक उन्नति की खोज में ऋषिकेश आये थे और यहां से कन्खल पहुंचे थे। उन्होंने गगा नदी में खड़े होकर गायत्री मन्त्र से साधना की थी। बाद में यह ऐसे विद्वान बने जिनकी समता का विद्वान शायद महाभारत के बाद दूसरा नहीं हुआ। स्वामी दयानन्द जी ने भी इन्हें व्याकरण का सूर्य कहकर सम्मान दिया है। हमारा यह उल्लेख करने का तात्पर्य है कि मनुष्य अपनी बुद्धि की उन्नति कर ही श्रेष्ठ मनुष्य बनता है और श्रेष्ठ आचरण वाला मनुष्य ही मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है। मनुष्य को मनुष्य क्यों कहते हैं? इसका उत्तर है कि जो मननशील हो, मनन कर सत्यासत्य का निर्णय करे, सत्य का ग्रहण और असत्य का त्याग करे, वही सच्चे अर्थों में मनुष्य कहलाता है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में महापौर को लेकर सियासत तेज

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व और प्रचंड जनादेश मिला है। एक तरफ बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में पुरानी शिवसेना का वर्चस्व और शासन समाप्त किया है, तो दूसरी तरफ पुणे में शरद पवार के परंपरागत गढ़ को ध्वस्त किया है। पवार अब न तो चाणक्य रहे हैं और न ही राजनीतिक तौर पर प्रासंगिक रहे हैं। उनका राजनीतिक युग समाप्त हो चुका है। महाराष्ट्र नगर निगम के कुल 2869 में से

1440 वार्ड में भाजपा के पार्षद विजयी रहे हैं, लिहाजा कुल 29 नगर निगमों में से 25 में भाजपा के मेयर सत्तारूढ़ हो सकते हैं। भाजपा ने भी ऐसे जनादेश की कल्पना नहीं की थी। महत्वपूर्ण यह रहा कि ये चुनाव प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के बड़े नेताओं के प्रचार के बिना ही लड़े गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ही चौतरफा नेतृत्व किया और परिणाम सामने है। जाहिर है कि फडणवीस का भाजपा के भीतर राजनीतिक कद बढ़ेगा। बहरहाल जनादेश की दृष्टि से शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और कांग्रेस भाजपा से कई गुना पीछे रह गई हैं। सबसे शानदार और उल्लेखनीय जीत बीएमसी की रही है, लिहाजा अब देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भाजपा का मेयर (महापौर) होना चाहिए। लेकिन अकेली भाजपा के 89 पार्षदों के बावजूद बीएमसी में बहुमत नहीं है। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) ने महायुति वाले गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ा था। शिवसेना के 29 पार्षद जीते हैं। साझा गठबंधन को सदन में 118 पार्षदों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल है। सत्ता से बाहर हो रही शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे ने 20 साल बाद गठबंधन में चुनाव लड़ा था। उन्हें 71 पार्षद मिले हैं। मराठी मानुष, मराठा, मराठी भाषा के प्रचार को जनता ने खारिज कर दिया। अब मराठा सियासत के कई साझेदार हो गए हैं, जिनमें भाजपा और शिंदे सेना भी शामिल है। बेशक ठाकरे घराने की चुनावी पराजय हुई है, लेकिन पार्टी संस्थापक बाला साहेब ठाकरे की विरासत अब भी अस्तित्व में है। बल्कि वह बीएमसी में सत्ता के समीकरण बदल भी सकती है। इतिहास खुद को दोहराता-सा लग रहा है। भाजपा-पुरानी शिवसेना ने विधानसभा चुनाव गठबंधन के साथ ही लड़ा था। गठबंधन के पक्ष में स्पष्ट बहुमत भी था, लेकिन उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि उन्होंने अढाई-अढाई साल के मुख्यमंत्री की मांग की। बल्कि पहला अवसर शिवसेना को देने का भी आग्रह किया। हालांकि भाजपा के 104 विधायक जीत कर आए थे और वह सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन शिवसेना के 55-56 विधायक ही थे। सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक भूख यहां तक बढ़ी कि उद्धव ने कांग्रेस और संगठित एनसीपी के साथ महाविकास अघाड़ी गठबंधन बनाया और मुख्यमंत्री बन गए। भाजपा ने एकनाथ शिंदे के जरिए न केवल शिवसेना को दोफाड़ किया, बल्कि उद्धव की सरकार भी गिरवा दी। लगभग उसी तरह अब उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना के 29 पार्षदों को ताज होटल में, गहरे पहरे के साथ, रखा गया है।

परिदृश्य

परीक्षा का बुखार

जनवरी आते ही कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आते ही पूरा देश मानो परीक्षा बुखार की चपेट में आ जाता है। वर्षों से फरवरी और मार्च भय, चिंता और भावनात्मक तनाव के चरम महीने बन गए हैं और यह तनाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवारों और पूरे समाज को अपनी गिरफ्त में ले लेता है। हर कोई परीक्षा को लेकर चिंतित है, जो इस वर्ष कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दे रहा है। उसकी माँ, बड़ा भाई, दादी, ताऊजी, ताईजी, उनके बच्चे और यहाँ तक कि उनके जीवनसाथी भी पूरी तरह सतर्क हैं। यह सामूहिक चिंता भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था की उस निकटता को दर्शाती है, जहाँ किसी एक व्यक्ति की शैक्षणिक यात्रा पूरे परिवार की साझा ज़िम्मेदारी बन जाती है। आसपास के लोग लगातार उसकी पढ़ाई की समय-सारिणी, पुनरावृत्ति की योजना और यह कि उसने परीक्षा के लिए कितना याद कर लिया है इन्हीं विषयों पर चर्चा करते रहते हैं। यह चिंता केवल कमजोर छात्रों तक सीमित नहीं है। मेधावी और बुद्धिमान छात्र और उनके माता पिता भी इस बुखार से अछूते नहीं हैं। परीक्षा वायरस सर्वव्यापी है। निकट परिवार और रिश्तेदारों से आगे बढ़कर पड़ोसी तक इससे संक्रमित हो जाते हैं। कई वयस्कों के लिए यह समय उनकी अपनी परीक्षा संबंधी पीड़ादायक स्मृतियों को फिर से जीवित कर देता है। जाने-अनजाने हममें से अनेक लोग इस अधूरे तनाव को आज भी ढोते रहते हैं, जो हमारी मानसिक सेहत पर असर डालता है और यह भी तय करता है कि आज हम बच्चों पर पड़ने वाले ऐसे दबावों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। भारत में शिक्षा नीति में कई सुधार हुए हैं, जिनमें नवीनतम सुधार व्यापक और महत्वाकांक्षी है। फिर भी, इन सुधारों के बावजूद शिक्षा व्यवस्था अब भी मुख्यतः परीक्षा-केंद्रित बनी हुई है। दशकों से स्कूली शिक्षा परीक्षाओं, रैंकिंग और सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह व्यवस्था रटंत विद्या और पाठ्यपुस्तकों व उत्तरों की यांत्रिक याददाश्त को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र विकास की उपेक्षा करती है। हालाँकि नई शिक्षा नीति व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देती है, लेकिन ये विचार अभी तक विद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावहारिक प्रशिक्षण ढाँचों में ठोस रूप नहीं ले पाए हैं। नृत्य, नाटक, रंगमंच, संगीत, कला और खेल जैसी गतिविधियाँ आज भी गैर-शैक्षणिक या सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के रूप में देखी जाती हैं-जिन्हें मानसिक और बौद्धिक विकास में सार्थक योगदान देने के बजाय केवल मनोरंजन माना जाता है। दुर्भाग्य से, नई पीढ़ी के माता-पिता भी तेजी से शिक्षा की इसी सीमित समझ को अपनाते जा रहे हैं। कुछ दशक पहले ट्यूशन कक्षाएँ मुख्यतः कमजोर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए होती थीं। आज ट्यूशन और कोचिंग सामान्य चलन बन चुकी हैं, जिनका उद्देश्य केवल अधिकतम अंक और ग्रेड हासिल करना है। छात्रों को एक के बाद एक परीक्षाओं का सामना करना पड़ता है-पहले स्कूल में और फिर प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए। राहत की कोई गुंजाइश नहीं रहती। जो छुट्टियाँ ट्रेकिंग, कैंपिंग, साइक्लिंग, यात्रा या ग्रामीण इलाकों की खोज में बिताई जा सकती थीं, वे अब कोचिंग कक्षाओं और पुनरावृत्ति कार्यक्रमों में खप जाती हैं। प्रतिस्पर्धी दबावों के कारण बचपन और किशोरावस्था धीरे-धीरे केवल तैयारी का समय बनकर रह जाते हैं। उनई शिक्षा नीति के आलोक में सरकार को गुरुकुल आधारित शिक्षा और होमस्कूलिंग जैसे वैकल्पिक शिक्षण मॉडलों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना चाहिए।

इच्छाओं का दास बना संसारी प्राणी निरंतर अभावों की जिंदगी जी रहा है: आचार्य वर्धमान सागर

निवाई में 21 जनवरी को मनाया जाएगा आचार्य शांतिसागर जी महाराज का शताब्दी महोत्सव

गाजे-बाजे के साथ भगवान आदिनाथ को अर्पित किया गया निर्वाण लड्डू

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित 'भक्तामर महामंडल अनुष्ठान' में श्रद्धालुओं ने भक्ति-नृत्य के साथ पूजा-अर्चना की।

मीडिया संयोजक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि पंडित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलन के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ किया। विधान में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य निर्मल कुमार-राजेश कुमार झांझरी परिवार को प्राप्त हुआ।

भगवान आदिनाथ का निर्वाण महोत्सव: शहर के बड़ा जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में भगवान आदिनाथ का निर्वाण महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। मोक्ष लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य प्रेमचंद, ज्ञानचंद, सुशील कुमार एवं अनिल जैन सोगानी परिवार को मिला। इस अवसर पर जिनोदय युवा संघ एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने संगीत की मधुर लहरियों के साथ श्रीजी के चरणों में लाडू अर्पित किया।

आचार्य शांतिसागर जी महाराज शताब्दी महोत्सव: आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य में 21 जनवरी को बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर जी महाराज का शताब्दी महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत नसियां जैन मंदिर परिसर में आचार्य शांतिसागर जी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा (स्मारक) का भव्य लोकार्पण किया जाएगा। वर्तमान में आचार्य वर्धमान सागर जी के संघ में 33 पिच्छिकाधारी साधु निवाई में शीतकालीन प्रवास हेतु विराजमान हैं। साथ ही, 28 जनवरी को आचार्य वर्धमान सागर जी एवं मुनि हितेन्द्र सागर जी महाराज के निर्देशन में मानस्तंभ के कलशाभिषेक का आयोजन किया जाएगा।

आचार्य श्री का मंगल उद्बोधन: इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा, "संसारी जीवन में इन हाथों से जितना परोपकार हो सके अवश्य करें, किंतु स्वयं के आत्म-उत्थान को कभी न भूलें। अक्सर दूसरों को भोजन कराते-कराते व्यक्ति स्वयं भूखा रह जाता है; आप परोपकार करते हुए अपनी आत्मा का कल्याण करना न भूलें।" उन्होंने आगे कहा कि इच्छाओं का दास बना यह संसारी प्राणी निरंतर अभावों की जिंदगी जी रहा है, फिर भी वह प्रतिक्षण नई-नई आकांक्षाएं संजोता रहता है। रविवार को संत निवास पर किशनगढ़ से आए 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रीजी एवं आचार्य संघ की सामूहिक संगीतमय पूजन कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

दिगंबर जैन परवार सभा के परिचय सम्मेलन में 250 युवक-युवतियों ने दिया मंच से परिचय

तीन रिश्तों की मौके पर ही हुई घोषणा, 'परिणय मिलन' स्मारिका का हुआ विमोचन

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन परवार सभा का 25वाँ अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार को एरोड्रम रोड स्थित नरसिंह वाटिका में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए लगभग 250 युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया। कार्यक्रम की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीन युवक-युवतियों के अभिभावकों ने करतल ध्वनि के बीच परिचय को 'परिणय' में बदलने की घोषणा की।

पत्रिका 'परिणय मिलन' का विमोचन: मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर 900 प्रत्याशियों के विवरण से युक्त परिचय पत्रिका 'परिणय मिलन' का विमोचन किया गया। विमोचन संपादक मंडल के अनिल जैन सप्पू, संदीप जैन गिन्नी एवं अनिल रावत ने अतिथियों के साथ मिलकर किया।

अतिथि एवं संबोधन: सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं सागर संभाग कमिश्नर पवन जैन उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत परवार सभा के अध्यक्ष राकेश जैन चेतक, अनिल जैन, संदीप जैन गिन्नी, सुदीप जैन एवं सतीश डबडेरा ने किया।

अध्यक्ष राकेश जैन चेतक ने समाज को संबोधित करते हुए कहा, 'आज के समय में परिचय सम्मेलन सभी समाजों की अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं। इनके माध्यम से एक ही स्थान पर विवाह योग्य युवक-युवतियों और उनके अभिभावकों को परस्पर परिचय प्राप्त करने का सुअवसर मिलता है।' उन्होंने आशा व्यक्त की कि यहाँ से बने रिश्ते भविष्य में परिवारों में खुशियों की शहनाई गूंजने का आधार बनेंगे।

उपस्थिति एवं कार्यक्रम की रूपरेखा: कार्यक्रम का शुभारंभ अखिलेश जैन चेतक द्वारा चित्र अनावरण एवं आशिष जैन सूत वाला द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। काव्या जैन एवं आस्था सिंघई ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन भूपेंद्र जैन एवं श्रीमती ज्योति जैन ने किया।

इस अवसर पर शरद रावत, डॉ. जैनेंद्र जैन, कमल जैन चैलेंजर, नेमी बडकुल, विपुल बांझल, राजीव जैन, राजकुमार पाटौदी, सुशील पांड्या, दिनेश जैन चेतक, पार्षद प्रदीप बल्ला, पार्षद बरखा मालू, श्रीमती मुक्ता जैन, वंदना जैन, सपना जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वॉटरकलर की शांति और एक्रेलिक की ऊर्जा से सजी कालेन्द्र पी. मेहता की तीन दिवसीय एकल प्रदर्शनी का आगाज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी एक बार फिर रंगों की साधना और सृजनात्मक ऊर्जा से सराबोर हो उठी है। गुजरात राज्य के 'सर्वश्रेष्ठ कला शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित, बड़ौदा के ख्यात चित्रकार कालेन्द्र पी. मेहता की तीन दिवसीय एकल चित्र प्रदर्शनी सोमवार को गणगौर घाट स्थित बागोर की हवेली कला वीथि में प्रारंभ हुई। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कला प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और पहले ही दिन उनकी कलाकृतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कला और संवेदना का संगम: गुजरात राज्य ललित कला अकादमी के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन ख्यात आर्किटेक्ट एवं स्केच आर्टिस्ट सुनील लड्ढा तथा मूर्ति शिल्पकार हेमंत मेहता ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'वॉटरकलर और एक्रेलिक–दोनों माध्यमों में समान दक्षता के साथ सृजन करना सहज नहीं होता। किंतु जब कोई कलाकार इन दोनों की आत्मा को समझकर कैनवास पर उतारता है, तब कला केवल दृश्य नहीं रहती, बल्कि एक सजीव अनुभव बन जाती है। कालेन्द्र मेहता की कृतियाँ इसी अनुभूति का सशक्त उदाहरण हैं।'

माध्यमों की विविधता: प्रदर्शनी में प्रदर्शित तीन दर्जन से अधिक चित्रों में साधना, स्थापत्य, प्रकृति, संस्कृति और वैश्विक अनुभवों का जीवंत संवाद देखने को मिलता है। मेहता की वॉटरकलर कृतियों में पारदर्शिता, तरलता और कोमल रंग-संयोजन प्रकृति के सौंदर्य को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करते हैं। कहीं यह प्रभाव फूलों की पंखुड़ियों पर ठहरी ओस-सी नाजुकता लिए है, तो कहीं प्रकाश और छाया का संतुलन दर्शक को भीतर तक स्पर्श करता है।

वहीं दूसरी ओर, उनकी एक्रेलिक कृतियाँ ऊर्जा, गहराई और सशक्त अभिव्यक्ति की मिसाल हैं। बोल्ड स्ट्रोक्स और जीवंत रंग कलाकार की भावनात्मक तीव्रता को उजागर करते हैं। इन चित्रों में संवेदनाओं की वह गति है, जो दर्शक को ठहरने और गहराई से सोचने पर विवश करती है।

गरिमामयी उपस्थिति: इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के उप निदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत, सिद्धांत भटनागर, महेंद्र गहलोत, वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा ह्राजदीपह्न, राहुल माली, राकेश-दक्ष सोनी और बड़ौदा के चिराग पटेल सहित अनेक गणमान्य कला प्रेमी उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी 21 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक आमजन के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। यहाँ लगा हर कैनवास रंगों के माध्यम से एक नई कहानी कहता प्रतीत होता है।

-रिपोर्ट व छायाचित्र: राकेश शर्मा 'राजदीप'

द्रोणगिरि में 'विद्या-प्रमाण प्रवेश द्वार' का हुआ भव्य लोकार्पण

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा

द्रोणगिरि (छतरपुर). शाबाश इंडिया। लघु सम्मेद शिखर के नाम से सुविख्यात श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि के विशाल एवं भव्य चौबीसी जिनालय परिसर में नवनिर्मित 'विद्या-प्रमाण प्रवेश द्वार' का लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण बा. ब्र. सुनीता दीदी (बांसा) की प्रेरणा से दानवीर समाज गौरव श्री मोहित कुमार - श्रीमती प्रियंका एवं मंत्र जैन (कत्था परिवार, कानपुर, उ.प्र.) द्वारा करवाया गया है। मुख्य अतिथि एवं गरिमामयी उपस्थितिः तीर्थक्षेत्र के उपाध्यक्ष राजेश जैन रागी ने बताया कि लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि निर्माणकर्ता मोहित कुमार एवं उनका परिवार रहा। इस अवसर पर बा. ब्र. नीलू दीदी, बा. ब्र. माया दीदी सहित अनेक विद्वानों और गणमान्य नागरिकों की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही।

आयोजन में सम्मिलित प्रमुख व्यक्तित्व: समारोह में विनय मलैया, सुनील घुवारा, वर्धमान मलैया, सुशील मोदी, सनत कुटौरा, नरेन्द्र व्याजू, प्रमोद पाटनी, निर्मल बारौ, कमल सूरजपुरा, पदम पनवारी, नरेंद्र शिक्षक, विजय पाटन, अभिषेक, संदीप, उत्तम चंद सिमरिया, संतोष पाटन, शैलेश, राजू, रवि पवैया, प्रदीप शिक्षक, नवीन, पद्म सेठ, राजेन्द्र बाबू, वैभव डेवडिया, भाग कुमार सतपारा, पंकज घिनौची, सुनील गंज, कमलेश, अनिल मुंगवारी, प्रमोद, श्रीमती शालिनी घुवारा एवं पवन मैनेजर सहित क्षेत्र की ट्रस्ट एवं प्रबंध समिति के पदाधिकारी, कर्मचारी और क्षेत्रीय समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संगीत, संस्कृति और संस्कारों का संगम

एम्बिशन किड्स का वार्षिक उत्सव 'सारंग' संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड, प्रताप नगर स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी का 11वां वार्षिकोत्सव 'सारंग' थीम पर हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रेम, सौहार्द और कला का अनूठा प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अतिथि स्वागत एवं दीप प्रज्वलन: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीए अभिषेक कुमार जैन एवं श्रीमती प्रियंका जैन तथा विशिष्ट अतिथि 'शाबाश इंडिया' के प्रधान संपादक राकेश जैन गोदीका एवं समता गोदीका द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। संस्था द्वारा सभी अतिथियों का तिलक, माला, शॉल एवं साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम: उपप्राचार्या अनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम का आगाज णमोकार मंत्र एवं सरस्वती वंदना से हुआ। प्री-प्राइमरी के नन्हे सितारों ने 'रघुपति राघव', 'आहा टमाटर बड़े मजेदार' और 'मस्ती की बारात' जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इसके पश्चात प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने 'इम्पोर्टेंस ऑफ फैमिली' और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी प्रेरणादायक थीम पर आधारित नृत्यों से दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा: समारोह का मुख्य आकर्षण हास्य लघु नृत्य-नाटिका 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' रही। इसमें जेठालाल-दया की नोकझोंक, बाऊजी की डांट, सोढ़ी के ठहाके और पोपटलाल के छाते का जीवंत चित्रण देख पूरा सभागार हंसी और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

प्रतिभाओं का सम्मान: मुख्य अतिथि ने विद्यालय को संस्कारों और अनुशासन की मजबूत नींव बताया। संस्था अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि', सचिव डॉ. शांति जैन, समाजसेवी कैलाश चंद सारणका, चंद्रप्रकाश जैन एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को कप प्रदान कर प्रोत्साहित किया। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों– दिव्या कंवर, भरत कोरजानी, भावेश सैनी, वंशिका प्रजापत एवं सिया मीणा को 'बेस्ट एकेडमिक अवार्ड' से नवाजा गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ. मनीष जैन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'गुलाबीनगर' द्वारा 'अमृत सेवा सप्ताह' के तहत बालिका गृह में भोज आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'गुलाबीनगर' द्वारा 'अमृत सेवा सप्ताह' के अंतर्गत समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 13 जनवरी 2026 को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष, जैनरत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 78वीं जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में विशेष सेवा कार्य किया गया।

छात्राओं को कराया स्वरुचि भोजः ग्रुप के सदस्यों ने अनाथ आश्रम 'लाडो परियो बालिका गृह' पहुँचकर वहाँ आवासित लगभग 50 छात्राओं (आयु 5 से 20 वर्ष) को दोपहर का स्वादिष्ट भोजन कराया। आश्रम की डॉ. पूर्णिमा ने बताया कि यहाँ बच्चों के स्वास्थ्य और दवा आदि की उचित देखभाल की जाती है। ग्रुप के सदस्यों ने सामूहिक सहयोग से आश्रम के सुचारू संचालन हेतु 5,100/- रुपये की नगद राशि भी भेंट की। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने स्वर्गीय कासलीवाल साहब के पदचिह्नों पर चलते हुए मानव सेवा का संकल्प दोहराया। इस पुनीत कार्य में ग्रुप के अध्यक्ष सुशीला-विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील-सुमन बज, सचिव महावीर-मुन्नादेवी पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, सह-सचिव राजेन्द्र-मंजू छाबड़ा, सुनील-मीना काला, महावीर चाँदवाड एवं चेतन-रेखा जैन उपस्थित रहे और इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता निभाई।

विद्यासागर सोशल ग्रुप ने दृष्टिबाधितों को कराया स्वल्पाहार, मेडिकल उपकरण भेंट करने का दिया आश्वासन

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'विद्यासागर', इंदौर द्वारा समाज के पितृ पुरुष एवं जैनरत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 78वीं जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में 'सेवा सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज किला मैदान स्थित दृष्टिहीन कल्याण संघ में दृष्टिबाधितों को स्वल्पाहार कराया गया एवं फलों का वितरण किया गया। विद्यासागर सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सतीश जैन (इला बैंक) एवं सचिव संतोष जैन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कल्याण संघ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संदीप परदेसी से संस्थान की आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। इससे पूर्व, स्वर्गीय श्री कासलीवाल जी के चित्र पर सतीश-सरिता जैन, संतोष जैन, अरविंद दिवाकर, डॉ. राहुल-अभिलाषा जैन, एडवोकेट पवन-अभिलाषा जैन, नवीन जैन, सुरेश जैन, मयंक जैन एवं अंकित-पूजा जैन आदि ने माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। साथ ही, संस्था प्रांगण में स्थित ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें भावांजलि अर्पित की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

आपके आदर्श एवं प्रेरणा
सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगें

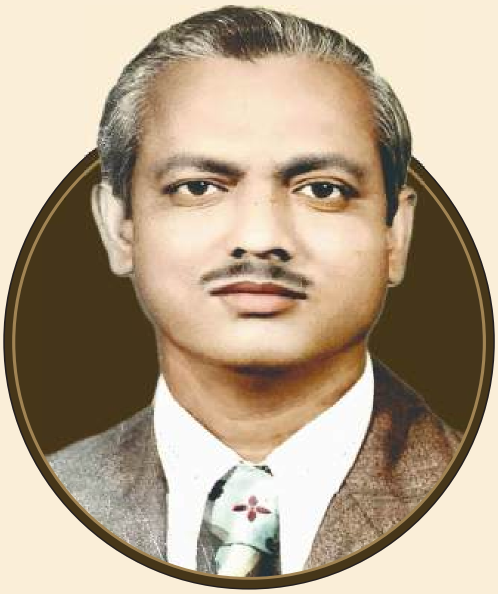

श्री कैलाश चन्द बैद
जिनके परिश्रम और सिद्वान्तों ने परिवार व व्यवसाय को नई ऊचाइयां दी

सातवीं पुण्यतिथि पर
सादर नमन

श्रद्धानवत :
बैद परिवार (बडियाल वाले)

रिषभ एडवरटाईजिंग एजेन्सी
राजस्थान एडवरटाईजिंग एजेन्सी
9829051564, 9414058011

श्री दिगंबर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी में 'वर्द्धमान स्तोत्र' पाठ का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सन्मति' द्वारा वर्द्धमान स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन सांगानेर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी में संपन्न हुआ। रीजन अध्यक्ष सुनील-सुमन बज ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना और सौहार्द को बढ़ावा देना था।

गरिमामयी उपस्थितिः ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश-समता गोदीका एवं अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या, राष्ट्रीय परामर्शक अनिल जैन तथा राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश-सीमा बड़जात्या मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सन्मति ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोग्या, उपाध्यक्ष राकेश-रेणु संघी, पिंक पर्ल ग्रुप के मनीष सोगानी, पिंक पर्ल ग्रुप अध्यक्ष मुकेश जैन, गुलाबी नगर ग्रुप के विनोद बड़जात्या, राजेन्द्र-मंजू छाबड़ा, महावीर-मुन्ना देवी पांड्या, सम्यक ग्रुप के डॉ. इन्द्र कुमार, नवल जैन एवं मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा की गौरवमयी उपस्थिति रही।

भक्तिमय प्रस्तुतियाँः कार्यक्रम के दौरान पंडित प्रकाश जैन एवं समता गोदीका द्वारा वर्द्धमान स्तोत्र के श्लोकों का वाचन किया गया। साथ ही जैन भजनों की संगीतमय प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भक्ति और उल्लास से भरे इस आयोजन में लगभग 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने मंदिर प्रबंधकारिणी समिति, विभिन्न जैन सोशल ग्रुपों एवं सन्मति ग्रुप के सभी सदस्यों का सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

काठमांडू जैन मंदिर में भव्यता के साथ मनाया गया भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

काठमांडू (नेपाल). शाबाश इंडिया। नेपाल की पुण्य धरा स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कमल पोखरी में भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ अत्यंत भक्तिभाव पूर्वक मनाया गया।

निर्वाण लाडू का समर्पण: श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी एवं सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था (नेपाल शाखा) के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने बताया कि प्रातः काल भगवान के अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य पूजन पाठ संपन्न हुए। इसके पश्चात श्रावक-श्राविकाओं ने जयकारों के साथ भगवान की वेदी पर 'निर्वाण लाडू' अर्पित किया। विशेष बात यह है कि पूरे नेपाल में यह एकमात्र जैन मंदिर है, जहाँ मूलनायक प्रतिमा आदिनाथ भगवान की है।

भक्तिमय संध्या और भक्तामर महाअर्चना: संध्या काल में रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के साथ 48 दीपकों से भक्तामर महाअर्चना की गई। इसके उपरांत संगीतमय महाआरती और नमोकार महामंत्र के पाठ ने वातावरण को धर्ममय बना दिया। मंदिर प्रांगण को विशेष रोशनी और सजावट से आलोकित किया गया था। भजनों की शानदार प्रस्तुति सरिता लूणावत, राजेश काला, प्रियंका (मीतू) जैन एवं शिल्पी जैन लाडनूं द्वारा दी गई।

धार्मिक मनोरंजन और पुरस्कार वितरण: कार्यक्रम के दौरान 'धार्मिक हाउजी' का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमती उषा गंगवाल, श्रीमती सरिता लुणावत, श्रीमती प्रियंका जैन, कुश जैन एवं वेदा जैन विजेता रहे। विजेताओं को मंदिर कमेटी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

उल्लेखनीय उपस्थिति: इस भव्य आयोजन में कोषाध्यक्ष राजेश काला, सचिव संजय गुड्डू जैन, सदस्य प्रदीप जैन, अंकित सरावगी, संजय काला सहित भारत के अहमदाबाद और लाडनूं से आए तीर्थयात्री एवं स्थानीय जैन समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से शांति देवी काला, ऊषा गंगवाल, संतोष काला, मंजु सेठी, पवन-चन्दा जैन, सुभाष-अनिता सेठी, जीवराज जैन, प्रदीप-सीमा जैन और गौरव-कविता बांठिया सहित अनेक श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। अंत में अध्यक्ष सुभाष सेठी ने सभी श्रावकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में 'नॉर्थ नाइट राइडर्स' की ऐतिहासिक विजय

रोटरी क्लब सेंट्रल की महिला टीम ने भी जीती ट्रॉफी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रज्ञा मेहता ने किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के अंतर्गत आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य एवं सफल आयोजन रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा इन्फिनिटी क्लब परिसर में किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 14 टीमों के लगभग 140 खिलाड़ियों ने अदम्य उत्साह और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान मैदान की आकर्षक साज-सज्जा, समयबद्ध मैच संचालन और खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ आकर्षण का केंद्र रहीं। अपनी उत्कृष्ट प्रबंधन व्यवस्था के चलते यह टूर्नामेंट रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के सबसे सफल एवं यादगार खेल आयोजनों में शुमार हो गया। 'लेडीज ग्रुप' के अंतर्गत आयोजित मुकाबलों में महिला खिलाड़ियों ने भी अपने कौशल का लोहा मनवाया। फाइनल मुकाबले में रोटरी क्लब सेंट्रल की टीम ने रोटरी क्लब पर्ल को पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। यह मुकाबला महिला सशक्तिकरण और खेलों में उनकी बढ़ती भागीदारी का जीवंत उदाहरण बना।

नॉर्थ नाइट राइडर्स बनीं चैंपियन: पुरुष वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में मेजबान रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की टीम 'नॉर्थ नाइट राइडर्स' ने अपनी रणनीतिक समझ और बेहतरीन टीमवर्क के दम पर रोटरी क्लब दौसा की टीम को शिकस्त दी। टीम के अनुशासित खेल की दर्शकों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

पुरस्कार वितरण एवं संबोधन: समापन समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रज्ञा मेहता ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ऐसे आयोजन रोटरी की सकारात्मक सोच को समाज तक पहुँचाते हैं और सदस्यों में नेतृत्व क्षमता व आपसी सौहार्द को बढ़ावा देते हैं।

आभार प्रदर्शन: रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने टूर्नामेंट की सफलता का श्रेय सभी प्रायोजकों, समन्वयकों और क्लब के कर्मठ सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी रोटरी भावना को सशक्त करने के लिए ऐसे प्रेरणादायक खेल एवं सामाजिक आयोजन निरंतर करता रहेगा।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार में 'विजय पताका दिवस' का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुहाना मंडी, मोहनपुरा स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार में बुधवार, 21 जनवरी 2026 को 'विजय पताका दिवस' अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह गरिमामयी आयोजन परम पूज्य आचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, मुनि 108 श्री विश्वविजय सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा।

कार्यक्रम की रूपरेखाः मंदिर अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ प्रातः 7:00 बजे मंदिर परिसर से भव्य प्रभात फेरी के साथ होगा। इस प्रभात फेरी का नेतृत्व घोड़े पर सवार, हाथ में विजय पताका लिए

'सौधर्म इंद्र' करेंगे। प्रभात फेरी के पश्चात मुनि श्री के सानिध्य में जिनेन्द्र प्रभु का अभिषेक एवं शांतिधारा की जाएगी।

वात्सल्य भोज एवं आमंत्रणः उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोदीका ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले सभी साधर्मी बंधुओं के लिए प्रातः 9:30 बजे 'वात्सल्य भोजन' (सधर्मी वात्सल्य) की विशेष व्यवस्था की गई है।

समस्त प्रबंधकारिणी समिति ने सभी श्रद्धालु भक्तों से निवेदन किया है कि विजय पताका जुलूस के इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर मुनि श्री विश्वविजय सागर जी महाराज के दर्शन कर पुण्य अर्जन करें और धर्म प्रभावना के भागीदार बनें।

निवेदकः अध्यक्ष - पवन कुमार गोदीका उपाध्यक्ष - धर्मेंद्र गोदीका एवं समस्त प्रबंधकारिणी समिति श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, जयपुर

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सवः 2401 दीपकों की 'भक्तामर महाअर्चना' से आलोकित हुआ सांगानेर मंदिर

भक्ति रस की अबाध धारा में बही तीन घंटे की अविच्छिन्न स्तुति; 48 मंडलों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रांत) के तत्वावधान में सांगानेर स्थित अतिशयकारी संघीजी मंदिर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर 1008 भगवान आदिनाथ का निर्वाणोत्सव भव्यता के साथ मनाया गया। आचार्य वसुनंदी महाराज के शुभाशीष से आयोजित इस कार्यक्रम में 2401 दीपकों के माध्यम से 48 मंडलीय 'भक्तामर दीप महाअर्चना' दीपोत्सव के रूप में संपन्न हुई।

विधि-विधान से मंगल कलश की स्थापनाः प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि संस्थान एवं मंदिर पदाधिकारियों ने मूलनायक भगवान आदिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य मंडल पर मंत्रोच्चार के साथ बिमल बाकलीवाल परिवार ने मुख्य मंगल कलश स्थापित किया। इसके साथ ही सभी 48 मंडलों पर पुण्यार्जकों द्वारा विधि-विधान पूर्वक कलश स्थापना की गई।

भक्ति और संगीत का संगमः भक्तामर महाअर्चना का संचालन सुश्री प्रीति (जबलपुर), दीदी लब्धि और प्राण द्वारा संगीत की मधुर लहरियों के साथ किया गया। संस्थान के राजीव पाटनी व रमेश बोहरा ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से आए सैकड़ों परिवारों ने 48 मंडलों पर बैठकर सहभागिता की। प्रत्येक मंडल से इंद्रों ने नृत्य और भक्ति के साथ मुख्य मंडल पर दीपक समर्पित किए।

साधु-संत सेवकों का सम्मानः संस्थान के मुख्य उद्देश्यों में सहयोगी रहने वाले पदाधिकारियों और समाजसेवकों का इस अवसर पर अभिनंदन किया गया। झोटवाड़ा, प्रताप नगर, थड़ी मार्केट, दुर्गापुरा, चौमू बाग, अलवर, तिजारा, पदमपुरा और पार्श्वनाथ भवन जयपुर समाज के पदाधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

स्वाध्याय की भावनाः आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज की बहुचर्चित वाचना रत्नकरण्डक श्रावकाचार की प्रतियाँ सभी मंडल धारकों को स्वाध्याय हेतु उपहार स्वरूप भेंट की गईं।

व्यवस्थित आयोजन की सराहनाः संघीजी मंदिर के मंत्री ने भीषण शीत लहर के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति और आडम्बर रहित, प्रभावी प्रबंधन के लिए धर्म जागृति संस्थान को साधुवाद दिया। मंदिर के अध्यक्ष महावीर बज, उपाध्यक्ष सुरेश कासलीवाल और मंत्री नरेश रांवका ने आयोजन की व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग किया।

सहयोग और सहभागिताः कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्ञान चंद जैन बस्सी, ओमप्रकाश काला, प्रेम चंद छाबड़ा, महेश काला, तारा चंद गोधा, विनोद कोटखावदा, प्रदीप जैन लाला, राकेश-समता गोदीका सहित विद्या वसु पाठशाला के छात्रों, श्रमण संस्कृति संस्थान की बालिकाओं और जैन बैंकर्स फोरम के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।